संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण

https://youtu.be/QacL5iuJIDY?si=MO1kyiWTeoJCxyPI

संस्कृत भाषा प्रशिक्षण

संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : स्था॰347/2022

दिनांक22.03.2022

कार्यालय-ज्ञाप

शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में संस्कृत सम्भाषण में छात्रों को प्रशिक्षित करने हेतु शिक्षाशास्त्र विभाग में दिनांक 28.03.2022 से 07.04.2022 तक 11 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अपराह्न 02:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक डॉ॰ विशाखा शुक्ला, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग के संयोजकत्व में किया गया है। उक्त कार्यशाला में अधोलिखित विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

1. डॉ॰ रविशंकर पाण्डेय, सहायक आचार्य, संस्कृत विद्या विभाग।
2. डॉ॰ विजय कुमार शर्मा, सहायक आचार्य, वेद विभाग।
3. डॉ॰ मधुसूदन मिश्र, सहायक आचार्य, ज्योतिष विभाग।

एतदर्थ प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा व कार्यक्रम हेतु किसी प्रकार का व्यय देय नही होगा।

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

कुलसचिव

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. सचिव कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
3. विनयाधिकारी।
4. आशुलिपिक, कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
5. अधीक्षक (प्रशासन/लेखा)।
6. जनसम्पर्क अधिकारी।
7. सम्पत्ति कार्यालय।
8. उद्यान विभाग।
9. सम्बद्ध पत्रावली।

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

32 वर्ष रजत जयंती वर्ष
राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना

संस्कृत भाषा के विकास के लिए संस्कृत में व्यवहार अनिवार्य-प्रो.रमेश प्रसाद

स्वतंत्र चेतना

वाराणसी। संस्कृत में बात करने से संस्कृत भाषा का अभ्यास सरल और शीघ्र हो जाता है। जो भाषा दैनिक व्यवहार में आती है वह बढ़ती है और उसका विकास होता है। संस्कृत भाषा के विकास के लिए संस्कृत में व्यवहार अनिवार्य है। लिखे हुए को पढ़ने की अपेक्षा बोली हुई भाषा का श्रवण करने से उसका सरलता से बोध होता है। ध्वनि अभिनय, मुख के भाव और परिसर वातावरण आदि इसके कारण है। अतः संस्कृत संभाषण से प्संस्कृत सरल है जनमानस में इस भावना का निर्माण होगा। संभाषण में चैतन्य होता है अतः अन्य व्यक्ति भी बोलने को उत्साहित होता है।

इस प्रकार संस्कृत भाषा व्यक्ति तक पहुँचती है। जाति, मत, प्रदेशादि भेद,भाव के बिना ही सब लोगों को इसका ज्ञान होता है।

उक्त विचार बतौर मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान दस दिवसीय कार्यशाला संस्कृत सम्भाषण का समापन समारोह में श्रमण विद्या संकायाध्यक्ष प्रो रमेश प्रसाद ने व्यक्त किया।

प्रो रमेश प्रसाद ने कहा कि संस्कृत भाषा संस्कृति की वाहिका है। इस कारण से यदि यह दैनिक व्यवहार में आती है तो संस्कृति के जीवनादर्शन भी व्यवहार में आवेंगे। सम्भाषण कार्यशाला की संयोजिका एवं शिक्षा शास्त्र विभाग प्राध्यापिका डॉ विशाखा शुक्ला ने सभी आगन्तुकों एवं प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षार्थियों का स्वागत अभिनंदन करते कहा कि संस्कृत संभाषण से लोगों के हृदय में स्वाभिमान का निर्माण होता है। समाज के उपेक्षित वर्गए जो लोग बहुत समय से संस्कृत शिक्षण से वंचित रहे उनमे संस्कृत शिक्षण से बहुत परिवर्तन होता है। समग्र देश के नगर व गाँव में संस्कृत संभाषण शिविर चलाने से ऐसा अनुभव हुआ है। इस प्रकार सामाजिक समरसता लाने में सामाजिक परिवर्तन करने में संस्कृत संभाषण की एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डॉ विशाखा ने शिक्षाशास्त्री प्रथम एवं द्वितीय के छात्र, छात्राओं को इस अवसर पर कार्यशाला में प्राप्त अनुभव को साझा किया।

संस्कृत सम्भाषण के प्रशिक्षक डॉ रविशंकर पान्डेय ने दस दिवसीय कार्यशाला के रूपरेखा का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत करते हुये कहा कि संस्कृत सम्भाषण के माध्यम से संस्कृत के सरलीकरण का प्रभाव व स्वतःआत्मिक लगाव बढ़ता हैइसी तरह से लोगों का जुड़ाव होता रहा तो एक दिन संस्कृत पुनःआमजन की भाषा सिद्ध होगी। मुख्यअतिथि प्रो.रमेश प्रसाद केद्वारा प्रशिक्षिकों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

28-03-2022 से 07-04-2022 शिक्षाशास्त्र विभाग

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
शिक्षाशास्त्र विभाग
शिक्षाशास्त्री (बी0एड0) सत्र 2021–23 द्वितीय वर्ष के छात्रों की सूची

	छात्र नाम	पिता नाम	हस्ताक्षर
1	इन्द्रजीत यादव	श्री रामलखन यादव	
2	मिथिलेश यादव	श्री राजेश सिंह यादव	
3	कृष्णा सिंह	श्री राम प्रकाश सिंह	
4	सुनील कुमार सिंह	श्री यशवन्त सिंह	
5	सदीप सिंह	श्री रमेशचन्द्र सिंह	
6	फूल चन्द	श्री राम सजीवन	
7	प्रेमचन्द	श्री रामसजीवन	
8	अजली सिंह	श्री अवधेश सिंह	
9	अजय कुमार पाल	श्री सुरेश चन्द्र पाल	
10	सोनम गौतम	श्री हौशिला प्रसाद	
11	रामजनम निषाद	श्री चन्द्रजीत निषाद	
12	सुमन पटेल	श्री बसंतलाल पटेल	
13	शशिकान्त मिश्र	श्री प्रतिभाधर मिश्र	
14	अम्बरीश चन्द्र पाण्डेय	श्री जगदीश प्रसाद	
15	प्रतिभा यादव	श्री रामबली यादव	
16	अवधेश कुमार वर्मा	श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा	
17	सपना कुमारी	श्री नन्दलाल	
18	स्मृति	श्री अमरजीत	
19	मंजीत	श्री बृजेश	
20	हौशिला प्रसाद	स्व0 कन्हैया लाल	
21	सृष्टि सिंह	श्री रविशंकर सिंह	
22	अजय कुमार मौर्य	श्री राम प्रकाश मौर्य	
23	अंकिता दूबे	श्री लक्ष्मी कान्त दूबे	
24	मिथलेश कुमार मिश्रा	श्री रवीकरण	
25	प्रदीप कुमार यादव	श्री अशोक कुमार यादव	
26	राजशेखर यादव	श्री देवेन्द्र यादव	

संजय कुमार तिवारी
व० सहायक
05/08/23

05/08/23
अध्यक्ष
शिक्षाशास्त्र विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

	छात्र नाम	पिता नाम	हस्ताक्षर
27	राजेन्द्र प्रसाद पाल	श्री मितई राम पाल	
28	सूर्य प्रकाश तिवारी	श्री अंगद तिवारी	
29	सोनू	श्री राममिलन	
30	आदित्य कुमार शर्मा	श्री रज्जन लाल	
31	सृजन कुमार जायसवाल	श्री संतोष कुमार गुप्ता	
32	राजेश कुमार	श्री मेवा लाल	
33	महेन्द्र प्रताप पटेल	श्री कामता प्रसाद	
34	रोहित राय	श्री रामसेवक	
35	शीतला प्रसाद यादव	श्री दुःखी राम	
36	विकास	श्री जंगबहादुर	
37	कृष्ण कान्त मिश्र	श्री कमलेश कुमार मिश्र	
38	विनय कुमार सरोज	श्री राम अधार सरोज	
39	सुरेमा देवी	श्री रामचन्द्र	
40	वर्षा कन्नौजिया	श्री जग्गू राम	
41	नागेन्द्र बहादुर	श्री राम गोपाल पटेल	
42	विमलेश यादव	श्री राममिलन यादव	
43	धीरज कुमार सिंह	श्री राम बहादुर सिंह	
44	विकास चन्द पाल	श्री ओम प्रकाश	
45	आकाश मौर्य	श्री पंकज कुमार मौर्या	
46	सरोज यादव	श्री अभिराम यादव	
47	सत्यम शुक्ला	श्री गनेश शुक्ला	
48	रंजना यादव	श्री रामदुलार यादव	
49	अनुराग शुक्ला	श्री शिवऔतार शुक्ला	
50	अंकुर तिवारी	श्री अनिरुद्ध तिवारी	
51	ज्ञान सिंह यादव	श्री सहस राम यादव	
52	आन्शो पति	श्री कृष्णा सिंह	
53	मुकेश कुमार	श्री हरिनाथ	

Shankar
05/08/23
संजय कुमार तिवारी
व० सहायक

Vh
05/08/23